Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________________

   (Name) ______________________________

2. (Signature) ____________________________

   (Name) ______________________________

Roll No. | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No.______________________________

(In words)

Test Booklet No.

J 0 2 1 0

Time : **2 $^1/_2$** hours]

PAPER-III

POLITICAL SCIENCE

[Maximum Marks : **200**

Number of Pages in this Booklet : **24**

Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answer to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुए रिक्त स्थान पर ही लिखिये ।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है ।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे ।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें ।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें ।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।**

POLITICAL SCIENCE
राजनीति विज्ञान

PAPER – III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper is of **two hundred (200)** marks containing **four (4)** sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.

नोट : यह प्रश्नपत्र **दो सौ (200)** अंकों का है एवं इसमें **चार (4)** खंड हैं । अभ्यर्थियों को इनमें समाहित प्रश्नों के उत्तर अलग से दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है ।

SECTION – I

खंड – I

This section consists of **two** essay type questions of **twenty (20)** marks each, to be answered in about **five hundred (500)** words each. **(2 × 20 = 40 marks)**

इस खंड में **बीस-बीस** अंकों के **दो** निबन्धात्मक प्रश्न हैं । प्रत्येक का उत्तर लगभग **पाँच सौ (500)** शब्दों में अपेक्षित है । **(2 × 20 = 40 अंक)**

1. Critically examine the causes for the decline and resurgence of political theory.
राजनीतिक सिद्धान्त के पतन और पुनरोत्थान के कारणों की आलोचनात्मक परीक्षा कीजिए ।

OR / अथवा

Critically evaluate the centre periphery theory of underdevelopment in the context of Third World Countries.
तृतीय विश्व देशों के संदर्भ में अल्पविकास के केन्द्रीय-परिधि सिद्धान्त का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए ।

OR / अथवा

Discuss the extent to which Centre-State financial relations are indicative of a strong centre in a federation.
केन्द्र-राज्य वित्तीय सम्बन्ध, संघ में शक्तिशाली केन्द्र के कहाँ तक सूचक हैं ? विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

Discuss the Sino-Indian relations in the Post Cold War era.
उत्तर शीतयुद्ध काल में चीन-भारत सम्बन्धों की विवेचना कीजिए ।

OR / अथवा

Write an essay on major trends and issues in the growth and evolution of public administration as discipline.
विषय के रूप में लोक प्रशासन के उद्‌भव और विकास में मुख्य प्रवृत्तियों एवं मुद्दों पर निबन्ध लिखिए ।

2. Critically evaluate Machiavelli's views on Politics and Ethics.
राजनीति और नैतिकता पर मैक्यावली के विचारों की समीक्षा कीजिए ।

OR / अथवा

Examine Human relations theory of organization.
संगठन के मानवीय सम्बन्ध सिद्धान्त का परीक्षण कीजिए ।

OR / अथवा

How has the proliferation of political parties affected the functioning of democracy in India ?
भारत में प्रजातन्त्र की कार्यकारिता को राजनीतिक दलों के प्रचुर प्रसरण ने किस प्रकार प्रभावित किया है ?

OR / अथवा

What is political development ? Examine various crises as identified by Lucian Pye.
राजनीतिक विकास क्या है ? लुसियन पाई द्वारा पता लगाए विभिन्न संकटों की परीक्षा करें ।

OR / अथवा

Examine the Indo-U.S. relations with special relations to Indo-U.S. Nuclear agreement.
भारत-यू.एस. परमाणु समझौते के विशेष सम्बन्ध में भारत-यू.एस. सम्बन्धों की परीक्षा कीजिए ।

SECTION – II
खंड – II

This section contains **three (3)** questions of **fifteen (15)** marks each to be answered in about **three hundred (300)** words. **(3 × 15 = 45 marks)**

इस खंड में **पन्द्रह-पन्द्रह** अंकों के **तीन (3)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीन सौ (300)** शब्दों में अपेक्षित है । **(3 × 15 = 45 अंक)**

3. Explain how M.N. Roy sought to reconstruct society by developing the notion of Radical Humanism.

   एम.एन. रॉय ने किस प्रकार उग्र मानवतावाद की धारणा विकसित करके समाज के पुनर्निर्माण की चेष्टा की ? स्पष्ट करें ।

4. What are the determinants of Indian Foreign Policy with special reference to Geography and Economy ?

   भूगोल और अर्थव्यवस्था के विशेष सम्बन्ध में भारतीय विदेश नीति के निर्धारक क्या हैं ?

5. Examine the linkages between Political Development and Political Modernisation. Do you think that Political Development provides the right inputs to Political Modernisation.

   राजनीतिक विकास और राजनीतिक आधुनिकीकरण के बीच समन्वय कड़ियों की परीक्षा करें । क्या आप सोचते हैं कि राजनैतिक विकास राजनीतिक आधुनिकीकरण के लिए सही आगत (इनपुट्स) प्रदान करता है ?

SECTION – III

खंड – III

This section contains **nine (9)** questions of **ten (10)** marks, each to be answered in about **fifty (50)** words. **(9 × 10 = 90 marks)**

इस खंड में **दस-दस (10-10)** अंकों के **नौ (9)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **पचास (50)** शब्दों में अपेक्षित है । **(9 × 10 = 90 अंक)**

6. What is Rousseau's concept of "General Will" ?
"सामान्य इच्छा" के बारे में रूसो का प्रत्यय क्या है ?

7. Explain J.S. Mill's concept of liberty.
जे.एस. मिल की स्वतन्त्रता की धारणा को स्पष्ट कीजिए ।

8. Explain Michel's concept of "Iron Law of Oligarchy".
माइकल के "अल्पतन्त्र का लौह नियम" के प्रत्यय की व्याख्या करें ।

9. Explain S.P. Huntington's concept of "Political Decay".
एस.पी. हंटिंग्टन की "राजनीतिक पतन" की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए ।

10. Write a note on Inter-State Council.
अंत:राज्य परिषद पर टिप्पणी लिखिए ।

11. What do you mean by Balance of Power ?
शक्ति संतुलन से आप क्या समझते हैं ?

12. What do you mean by Cold War ?
शीतयुद्ध से आपका क्या तात्पर्य है ?

13. What is meant by Judicial Accountability ?
न्यायिक जवाबदेयता से आप क्या समझते हैं ?

14. What is meant by "Sons of the Soil" ?
"भूमिपुत्र" से आप क्या समझते हैं ?

SECTION – IV

खंड – IV

This section contains **five (5)** questions of **five (5)** marks each based on the following passage. Each question should be answered in about **thirty (30)** words. **(5 × 5 = 25 marks)**

इस खंड में निम्नलिखित परिच्छेद पर आधारित **पाँच (5)** प्रश्न हैं । प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **तीस (30)** शब्दों में अपेक्षित है । प्रत्येक प्रश्न **पाँच (5)** अंकों का है । **(5 × 5 = 25 अंक)**

Read the following passage and answer the questions given below :

The main point in the teaching of Marx is the class struggle. This has very often been said and written. But this is not true. Out of this error, here and there, springs an opportunist distortion of Marxism, such a falsification of it as to make it acceptable to the bourgeoisie. The theory of the class struggle was *not* created by Marx, but by the bourgeoisie *before* Marx and is, generally speaking, *acceptable* to the bourgeoisie. He who recognises *only* the class struggle is not yet a Marxist; he may be found not to have gone beyond the boundaries of bourgeois reasoning and politics. To limit Marxism to the teaching of the class struggle means to curtail Marxism – to distort it, to reduce it to something which is acceptable to the bourgeoisie. A Marxist is one who *extends* the acceptance of class struggle to the acceptance of the *dictatorship of the proletariat*. Herein lies the deepest difference between a Marxist and an ordinary petty or big bourgeois. On this touchstone it is necessary to test a *real* understanding and acceptance of Marxism. And it is not astonishing that, when the history of Europe put before the working class this question in a practical way, not only all opportunists and reformists but all Kautskyists (people who vacillate between reformism and Marxism) turned out to be miserable philistines and petty bourgeois democrats, *denying* the dictatorship of the proletariat. Kautsky's pamphlet, *Dictatorship of the Proletariat*, published in August, 1918, *i.e.,* long after the first edition of this book, is an example of petty – bourgeois distortion of Marxism and base renunciation of it *in practice*, while hypocritically recognising it *in words* (see my pamphlet, *The Proletarian Revolution and the Renegade Kautsky*, Petrograd and Moscow, 1918).

निम्नलिखित अनुच्छेद पढ़िए और उसके नीचे दिये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

मार्क्स के अध्यापन में वर्ग संघर्ष मुख्य बात है । यह बात अक्सर कही और लिखी जाती है । परन्तु यह सच नहीं है । इस त्रुटि से, यहाँ-वहाँ मार्क्स का अवसरवादी विरूपण उभर कर निकलता है, उसका ऐसा मिथ्या वर्णन होने पर वो बुर्जुआ को स्वीकार्य हो जाता है । वर्ग संघर्ष का सिद्धान्त मार्क्स द्वारा प्रतिपादित नहीं किया गया था परन्तु मार्क्स से पहले बुर्जुआ (मध्यवर्ग) द्वारा किया गया था, और सामान्यत: यह बुर्जुआ को स्वीकार्य है । वह व्यक्ति जो सिर्फ वर्ग संघर्ष को मान्यता देता है अभी मार्क्सवादी नहीं है; यह पाया जा सकता है कि वो व्यक्ति बुर्जुआ तर्कणा एवं राजनीति की सीमाओं से परे गया ही नहीं । मार्क्सवाद को वर्ग संघर्ष के शिक्षण तक सीमित

कर देने का अर्थ मार्क्सवाद को संक्षिप्त करना, विकृत करना और उसे लघु करके कुछ ऐसी चीज बना देना जो बुर्जुआ को स्वीकार्य है । मार्क्सवादी वो है जो वर्ग संघर्ष की स्वीकार्यता को सर्वहारा वर्ग की तानाशाही की स्वीकार्यता तक विस्तरित करता है । यहाँ ही, मार्क्सवादी और एक आम छोटे-मोटे या बड़े-बड़े बुर्जुआ के बीच गहन अन्तर स्थित है । इस मुकाम पर, मार्क्सवाद की वास्तविक समझ एवं स्वीकार्यता का परीक्षण करना आवश्यक है, और यह आश्चर्यजनक नहीं है कि जब यूरोप के इतिहास के संदर्भ में, यह प्रश्न व्यावहारिक रूप से श्रमजीवी या मजदूर वर्ग के समक्ष प्रस्तुत हुआ, तो न सिर्फ समस्त अवसरवादी और सुधारक परन्तु समस्त कॉटस्कीवादी (वो लोग जो सुधारवाद और मार्क्सवाद के बीच डोलते रहते हैं) दयनीय फिलिस्टीनी और छोटे-मोटे बुर्जुआ लोकतंत्रवादी बन गए, जो सर्वहारा वर्ग की तानाशाही को नकारते हैं । कॉटस्की की पत्रिका, 'डिक्टेटरशिप ऑफ दी प्रोलितेरियत', जो इस पुस्तक के प्रथम संस्करण के बहुत बाद में, 1918 में प्रकाशित हुई थी, मार्क्सवाद के छोटे-मोटे बुर्जुआ विरूपण और व्यवहार में उसके त्याग का घटिया उदाहरण है, जबकि शब्दों में उसे मान्यता देकर पाखण्डीपन का ।

15. Is class struggle the main point in the teaching of Marx ?
क्या मार्क्स के अध्यापन में वर्ग संघर्ष मुख्य बात है ?

16. Who is a Marxist ?
मार्क्सवादी कौन हैं ?

17. What is the deepest difference between a Marxist and an ordinary petty or big bourgeois ?

मार्क्सवादी और साधारण छोटे-मोटे या बड़े बुर्जुआ के बीच सबसे अधिक गहन अन्तर क्या है ?

18. What is the importance of dictatorship of the proletariat in the understanding of Marxism ?

मार्क्सवाद को समझने में सर्वहारा वर्ग की तानाशाही का क्या महत्त्व है ?

19. In what sense does the author speak of the petty bourgeois distortion of Kautsky ?

कॉटस्की के गौण (लघु) बुर्जुआ विरूपण की बात लेखक किस अर्थ में कहता है ?

FOR OFFICE USE ONLY	
Marks Obtained	
Question Number	Marks Obtained
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....